

प्रेस नोट— 22 दिसम्बर, शुक्रवार, 2023

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाडा का पंचम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न,

राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के भविष्य के लिए मददगार साबित होगी— राज्यपाल श्री कलराज मिश्र,

तीस विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल उपाधि एवं मेरिट प्रमाण पत्र और ग्यारह शोधार्थियों को विद्या-वाचस्पति पीएचडी उपाधि

बांसवाडा 22 दिसम्बर/गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाडा का पंचम दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के श्री कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य एवं गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाडा के कुलपति श्री प्रो केशवसिंह ठाकुर की अध्यक्षता में जीजीयूटी के मुख्य परिसर के माही भवन में भव्य आयोजन किया गया ।

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से प्रतिवर्ष ही दीक्षांत समारोह आयोजित करता आया है इसी कड़ी में पंचम दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक सत्र 22-23 में विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च स्थान पर रहे तीस विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल उपाधि एवं मेरिट प्रमाण पत्र और ग्यारह शोधार्थियों को विद्या-वाचस्पति पीएचडी उपाधि मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा प्रदान किए गए ।

पंचम दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने गोल्ड मेडल उपाधि एवं शोधार्थियों को बधाई —शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार स्वरूप देने के लिए अपनी महती भूमिका निभाएं। श्री मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के भविष्य के लिए मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ना एक सुखद अवसर है। उन्होंने कहा कि देश में नारी के सशक्तिकरण में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार में एक नारी शिक्षित होती है वहा का सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

उन्होंने आदिवासी समाज के युग पुरुष श्री गोविन्द गुरु को नमन करते हुए उनके बलिदानों को बताया और कहा कि उनके द्वारा जनजाति समाज की आध्यात्मिक, परम्पराओं विशिष्ट संस्कृति और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के लिए दिये गये योगदान को जनजातीय क्षेत्र में शोध और अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत— 2047 की जो संकल्पना संजोई है, उसके मूल में कर्णधार आज के युवा पीढ़ी ही है आज का युवा शिक्षा अर्जित करने के साथ— साथ राष्ट्र विकास से जुड़े तमाम विषयों पर भी गहन रुचि रखते हुए कार्य करे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों का प्रभावी विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के लिए सुनियोजित कार्य करने पर जोर दिया इसके लिए विश्वविद्यालय अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन करे।

दीक्षांत समारोह में जीजीटीयू बांसवाडा के प्रथम नामित कुलपति और वर्तमान में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो कैलाश सोडानी दीक्षांत उद्बोधन दिया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति श्री के एस ठाकुर ने राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की गतिविधियों से अवगत करवाया। समारोह में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने दीक्षान्त समारोह की औपचारिक गतिविधियों में भागीदारी निभायी व विस्तृत जानकारी दी। महामहिम राज्यपाल बांसवाडा पहुंचने पर जिला पुलिस अधीक्षक अभीजीत सिंह व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीसी गर्ग द्वारा अगवानी की गई वही राज्यपाल को गाँउ ऑफ ऑनर दिया गया।

राज्यपाल ने कदम्ब के पौधे का किया रोपण

प्रारंभ में मुख्य अतिथि श्री कलराज मिश्र ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यापर्ण,राष्ट्रगान एवं कुलगीत के साथ विधिवत समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उद्यान में राज्यपाल महोदय ने कदम्ब के पौधे का रोपण किया। इसके साथ ही राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाडा के वानस्पतिक उद्यान का भी अवलोकन किया। विश्वविद्यालय के सभागार का शिलान्यास किया।

समारोह में जिला पुलिस अधीक्षक श्री अभीजीत सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीसी गर्ग, पूर्व सांसद मानशंकर पूर्व मंत्री श्री दलीचन्द मईडा, जिला परिषद सदस्य हकरु मईडा, समाजसेवी मुकेश रावत,लाभचन्द पटेल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।













